ज्ञानदीप

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2008 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)
Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

संस्थान – डी ओ टी (020)
26122271, 26123436
26123680, 26113452
रेलवे – 55222, 55862

छात्रावास – डी ओ टी (020)
26130579, 26126816
26121669
रेलवे – 53101, 53102, 253103

फैक्स: 020-26128677
रेलवे: 55860, टेलीग्राम: रेलपथ
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 16 | अंक – 61 | जनवरी–मार्च 2012

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन To Beam as a Beacon of Knowledge

इस अंक में

1. इरिसेन का स्थापना दिवस समारोह
2. आईपीडब्ल्युई (आई) का राष्ट्रीय तकनीकी सेमिनार
3. गणतंत्र दिवस समारोह
4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 114वीं बैठक
5. इरिसेन में रक्तदान शिविर का आयोजन
6. पुल मानक समिति की 81वीं बैठक
7. निकट भविष्य में आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम
8. इरिसेन संकाय का प्रशिक्षण/सेमिनार
9. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी
10. सृजन

1. इरिसेन का स्थापना दिवस समारोह



स्थापना दिवस के उद्घाटन के अवसर पर दीप प्रज्ज्वलित करते हुए श्री ए.पी.मिश्र, स.इंजी.रे.बोर्ड साथ में श्री एस.के.जैन,म.प्र.म.रेल एवं श्री सी.पी.तायल,निदे.इरिसेन



इरिसेन प्रकाशन के विमोचन का दृश्य

संस्थान में दिनांक 18 एवं 19 मार्च, 2012 को 54वां स्थापना दिवस मनाया गया । दिनांक 18 मार्च, 2012 को समारोह का उद्घाटन, पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम रखा गया था । माननीय श्री ए.पी.मिश्र, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड एवं श्रीमती कल्पना मिश्र समारोह के मुख्य अतिथि थे । मंच पर श्री ए.पी.मिश्र, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड, श्री सुबोध कुमार जैन, महाप्रबंधक मध्य रेल एवं श्री सी.पी. तायल, निदेशक, इरिसेन उपस्थित थे ।

गणमान्य महानुभावों में श्री बुद्ध प्रकाश, प्रबंध निदेशक, कच्छ रेल कॉरपोरेशन लि., श्री डी.एन.माथुर, रिटायर्ड महाप्रबंधक,दक्षिण मध्य रेल, श्री एम.एस.एकबोटे, रिटायर्ड एडिशनल मेंबर, सिविल इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड, श्री जी.एन.फड़के, रिटायर्ड महाप्रबंधक निर्माण, पू.सी.रेल श्री पी.के. सक्सेना, प्रधान मुख्य इंजीनियर, मध्य रेल, श्री एम.के.गुप्ता, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (नि.), मध्य रेल, श्री विशाल अग्रवाल, मंडल रेल प्रबंधक, पुणे एवं अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित थे । समारोह में भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के 1985 बैच के अधिकारियों को स्मृति चिन्ह एवं वर्ष 2011 में सम्पन्न पाठ्यक्रमों के उत्कृष्ट प्रशिक्षु अधिकारियों तथा परिवीक्षार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए ।

भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 2007 बैच के श्री अंकित गुप्ता, सहायक मंडल इंजीनियर, सूरत, पश्चिम रेल, को उत्कृष्ट परिवीक्षार्थी पदक मिला । भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 2007 बैच के श्री कुंदन कुमार सिंह, सहायक

संरक्षक
श्री चंद्र प्रकाश तायल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
नीलमणि
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, रेलपथ

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
राजभाषा अधीक्षक

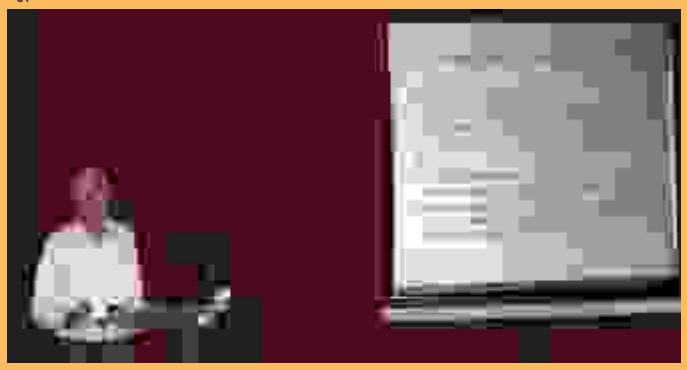


सदस्य इंजी. रे.बो. श्री कुंदन कुमार सिंह, स.मं.इंजी., भिलाई, द.पू.म.रेल को ट्रॉफी प्रदान करते हुए

मंडल इंजीनियर, भिलाई, द.पू.म.रेल, इरकॉन स्वर्ण पदक, आर.के.जैन रोलिंग शील्ड एवं वी.के.जे.राणे रोलिंग ट्रॉफी के विजेता रहे । भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 2007 बैच के श्री तुषार मिश्रा, सहायक मंडल इंजीनियर, दहाणु, प. रेल को आलोक जैन मेमोरियल रोलिंग ट्रॉफी प्रदान किया गया ।

स्थापना दिवस के अवसर पर "Guidelines for working of Rail Grinding Machine" पुस्तक का विमोचन सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड के कर कमलों द्वारा किया गया । यह पुस्तक भारतीय रेल पर पिछले वर्ष से कार्यरत रेल ग्राइंडिंग मशीन की कार्य प्रणाली, इसकी जरूरतें, ग्राइंडिंग की गुणवत्ता के लिए उपाय एवं सुरक्षा के पहलुओं पर दिए गए दिशानिर्देश के साथ प्रदीप कुमार गर्ग, वरिष्ठ प्राध्यापक, रेलपथ द्वारा लिखी गई है । श्री सुबोध कुमार जैन, महाप्रबंधक, मध्य रेल ने मार्च, 2012 की **''इरिसेन जनरल ऑफ सिविल इंजीनियरिंग''** का विमोचन किया ।

स्थापना दिवस के अवसर पर श्री ए.पी.मिश्र, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड ने अपने संबोधन में भारतीय रेल के समक्ष विभिन्न चुनौतियों की विस्तृत चर्चा की एवं यह विश्वास व्यक्त किया कि इंजीनियरिंग विभाग इन चुनौतियों का सामना करने में सक्षम है । सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड ने गैंगमैन की भूमिका पर प्रकाश डाला और इंजीनियरिंग विभाग में उनके द्वारा अर्पित



स्थापना दिवस पर आयोजित सेमिनार का दृश्य

सेवाओं की सराहना करते हुए उनकी आवश्यकताओं पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया । संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन राजभाषा में किया गया ।

अपरिहार्य कारणों से 19 मार्च 2012 को आयोजित सेमिनार में सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड का उपस्थित होना संभव नहीं था अत: उन्होंने Seminar Booklet का विमोचन कर परोक्ष रूप से अपनी सहभागिता दर्ज की । तकनीकी सेमिनार के विषय "Futuristic setup for track and bridge maintenance on IR" एवं "Reorganisation of Engineering department to develop core competencies" इंजीनियरिंग विभाग के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण तथा वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप रखे गए थे। सेमिनार में भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 1985 बैच के अधिकारियों ने उपरोक्त विषय पर तकनीकी पेपर प्रस्तुत किए ।

दिनांक 18 मार्च, 2012 को स्थापना दिवस के अवसर पर इरिसेन छात्रावास के खेल परिसर में संपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान ज्ञान प्रबोधिनी विद्यालय के बच्चों द्वारा रीदम



सांस्कृतिक कार्यक्रम का दृश्य

योगा एवं मध्य रेल, पुणे मंडल, सांस्कृतिक अकादमी के कलाकारों द्वारा कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया । विशेष आग्रह पर इंजीनियरिंग विभाग की प्रथम महिला श्रीमती कल्पना मिश्र ने भी एक गीत गाकर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्री ए.पी.मिश्र, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड ने कार्यक्रम की भरपूर सराहना की ।

2. आईपीडब्ल्युई (आई) का राष्ट्रीय तकनीकी सेमिनार



सेमिनार के उद्घाटन के अवसर पर दीप प्रज्वलन का दृश्य

आईपीडब्ल्युई (आई) के तत्वाधान में पुणे केन्द्र द्वारा 5 एवं 6 जनवरी, 2012 को ''वर्तमान ट्रैक के उन्नयन द्वारा उच्च गति का उपार्जन एवं ''समपार उन्मूलन'' विषयों पर राष्ट्रीय तकनीकी सेमिनार का भव्य आयोजन किया गया।

सेमिनार में संपूर्ण भारतीय रेल के कार्यरत एवं सेवानिवृत्त सिविल इंजीनियरों के साथ–साथ विदेशी रेलों के भी सिविल इंजीनियरों ने भाग लिया। श्री ए.पी.मिश्र, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड, कार्यक्रम के मुख्य



आईपीडब्ल्यूई सेमिनार में उपस्थित अतिथि एवं गणमान्य

अतिथि थे । श्री कुलभूषण, सदस्य बिजली, रेलवे बोर्ड, श्री दीपक कृष्ण, महाप्रबंधक, दक्षिण रेल, श्री सुबोध कुमार जैन, महाप्रबंधक, मध्य रेल, श्री जी.सी.अग्रवाल, महाप्रबंधक, पूर्व रेल, श्री प्रशांत कुमार, मुख्य संरक्षा आयुक्त, लखनऊ, श्री एस.के.मलिक, कार्यकारी निदेशक/आईपीडब्ल्युई, श्री आर.रामनाथन, अपर सदस्य सिविल इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड एवं श्री मधुरेश कुमार, प्रधान मुख्य इंजीनियर, उत्तर रेल मंचासीन अतिथि थे । सेमिनार में रेलवे बोर्ड के गणमान्य अधिकारियों, सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों एवं पूरे भारतीय रेलों तथा व्यापार एवं उद्योग के लगभग 600 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया ।

उद्घाटन समारोह में श्री सी.पी.तायल, निदेशक, इरिसेन ने उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया । श्री ए.पी.मिश्र, सदस्य इंजीनियरिंग, रेलवे बोर्ड ने सभा को संबोधित किया । अपने संबोधन में सदस्य इंजीनियरिंग ने रेलवे में



सेमिनार के दौरान श्री ए.पी. मिश्र सदस्य इंजीनियरिंग संबोधित करते हुए

सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अपने अनुभव एवं समस्याओं तथा उनके निदान पर प्रकाश डाला । श्री मिश्र के ओजस्वी भाषण से श्रोता बहुत प्रभावित हुए ।

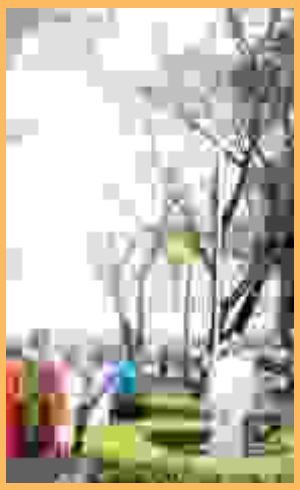
सेमिनार के दौरान प्रतिभागियों द्वारा वर्तमान ट्रैक के उन्नयन द्वारा उच्च गति का उपार्जन एवं समपार उन्मूलन विषयों पर पेपर प्रस्तुत किए गए । सेमिनार में तकनीकी विषयों पर पांच सत्र रखे गए थे । सेमिनार के दौरान अल्प बचत सांस्कृतिक संकुल के प्रांगण में रेलपथ से संबंधित अत्याधुनिक उपकरणों से लैस एक तकनीकी प्रदर्शनी लगाई गई थी, जिसमें रेलवे तथा निजी कंपनियों के 17 भागीदारों ने कुल 21 स्टॉल लगाए ।



सेमिनार के दौरान आयोजित तकनीकी सेमिनार का दृश्य

तकनीकी गोष्ठियों के उपरांत अतिथियों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में ज्ञान प्रबोधिनी विद्यालय के बच्चों द्वारा मंत्रमुग्ध करने वाला रीदम योगा प्रस्तुत किया गया । इसके साथ ही मुंबई के परांजपे ग्रुप ने भाव विभोर करने वाला नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इरिसेन द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए सदस्य इंजीनियरी ने इरिसेन के लिए 50,000/- के सामूहिक पुरस्कार की घोषणा की ।

3. गणतंत्र दिवस समारोह



निदेशक श्री सी.पी.तायल ध्वज को सलामी देते हुए

इरिसेन में 26 जनवरी, 2012 को गणतंत्र दिवस समारोह मनाया गया। संस्थान के निदेशक श्री सी.पी.तायल ने सर्वप्रथम ध्वजारोहण किया । उन्होंने संकाय सदस्यों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया ।

श्री तायल ने देश की उन्नति में सहायक भारतीय रेल की भूमिका पर प्रकाश डाला तथा देश के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कर्तव्य के प्रति निष्ठावान और सजग रहने की सलाह दी । समारोह के अवसर पर संस्थान के सभी संकाय सदस्य, उनके परिवारगण तथा कर्मचारी उपस्थित थे । मुख्य कार्यक्रम के बाद प्रशिक्षु अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया ।

4. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 114वीं बैठक

संस्थान में दिनांक 02 फरवरी, 2012 को राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 114वीं बैठक आयोजित की गई । बैठक में अध्यक्ष महोदय ने उपस्थित सदस्यों एवं मध्य रेल से उपस्थित उप महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री पारसनाथ शर्मा का हार्दिक स्वागत किया ।



राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 114वीं बैठक का दृश्य

बैठक में राजभाषा के उत्तरोत्तर प्रगति पर विशेष रूप से चर्चा की गई। निदेशक इरिसेन ने बताया कि संस्थान में तकनीकी क्षेत्र में राजभाषा में किए जानेवाले छोटे–मोटे काम का विशेष महत्व होता है । दौरा कार्यक्रम (टूर प्रोग्राम) मिली जुली भाषा में बनाई जाती है इसे पूर्णत: हिंदी में बनाया जाए। अधिकाधिक टिप्पणियां हिंदी में लिखी जाएं । बैठक में चुनिंदा प्रेरक कविता पाठ को भी प्रोत्साहन दिया जाए क्योंकि प्रेरणा से अपने अस्तित्व को उत्कृष्ट बनाया जा सकता है । प्रेरणा स्वरुप ही संस्थान में मुख्य स्थलों पर प्रसिद्ध साहित्यकारों का चित्र लगाया गया है । निदेशक, इरिसेन ने राजभाषा की प्रगति पर संतोष जाहिर किया ।

बैठक के उपाध्यक्ष, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक रेलपथ श्री नीलमणि ने राजभाषा की प्रगति पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान एवं छात्रावास के कार्यालय में नियमित कार्य अधिकतर हिंदी में ही किए जाते हैं ।

बैठक में विशेष रुप से आमंत्रित मध्य रेल, महाप्रबंधक कार्यालय के उप महाप्रबंधक मुख्यालय (राजभाषा) श्री पारस नाथ शर्मा ने अपने संबोधन में अध्यक्ष महोदय की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपने पूरा माहौल हिंदीमय बना दिया है । वैसे तो भारत की सभी भाषाएं समृद्ध हैं परंतु हिंदी आम बोलचाल की भाषा है और इसे आसानी से बोला और समझा जा सकता है । उन्होंने संस्थान से प्रकाशित हिंदी तकनीकी पुस्तकों एवं फिल्मों की खूब प्रशंसा की और कहा कि भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्था है और इसे सिविल इंजीनियरिंग का मक्का कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी ।

राजभाषा प्रगति पर विस्तार से चर्चा करते हुए यात्रा कार्यक्रम, टिप्पणियां, यूनिकोड संबंधी समस्याओं पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। उप मुख्य राजभाषा अधिकारी ने हिंदी में किए जाने वाले कार्य के लिए सदस्यों को धन्यवाद दिया।

5. इरिसेन छात्रावास में रक्तदान शिविर



इरिसेन छात्रावास में रक्तदान शिविर के आयोजन का दृश्य

इरिसेन छात्रावास में दि. 29 फरवरी 2012 को रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इरिसेन के संकाय, प्रशिक्षु अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का आयोजन के.ई.एम. अस्पताल पुणे के तत्वाधान में किया गया था। रक्तदान का उद्देश्य लोगों में सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरुकता पैदा करना होता है।

6. पुल मानक समिति की 81वीं बैठक

अ.अ.मा.सं. (आरडीएसओ) के तत्वाधान में पुल मानक समिति की 81वीं बैठक दिनांक 21 एवं 22 फरवरी, 2012 को जबलपुर में आयोजित की गई थी। जिसमें श्री सी.पी.तायल, निदेशक/इरिसेन एवं श्री अजय गोयल, वरिष्ठ प्राध्यापक/पुल ने हिस्सा लिया।

7. निकट भविष्य में आयोजित विशेष पाठ्यक्रम

क्र.	पा. सं.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	प्रारंभ	समापन
1	12003	भा.रे.इं.से. तैनाती परीक्षा	30/04/12	04/05/12
2	12004	भा.रे.इं.से.पोस्टिंग ओरिएन्टेशन पाठ्यक्रम	28/05/12	01/06/12
3	12005	भा.रे.इं.से. (परि) चरण 2	04/06/12	09/08/12
4	12101	समेकित पाठ्यक्रम	26/03/12	07/06/12
5	12102	समेकित पाठ्यक्रम	11/06/12	23/08/12
6	12202	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	07/05/12	15/06/12
7	12303	मुख्य इंजीनियर/टीएम के लिए सेमिनार	26/04/12	27/04/12
8	12304	मुख्य रेलपथ इंजीनियर के लिए सेमिनार	21/06/12	22/06/12
9	12401	ग्रीन बिल्डिंग, यूनिकोड एसओआर एवं आईआरपीएसएम पर विशेष पाठ्यक्रम	03/04/12	05/04/12
10	12402	रेल ग्राइंडिंग पर विशेष पाठ्यक्रम	21/05/12	23/05/12
11	12403	रेल ग्राइंडिंग पर विशेष पाठ्यक्रम	22/05/12	24/05/12
12	12405	यूएसएफडी टेस्टिंग,वेल्डिंग एवं रेल ग्राइंडिंग, ट्रैक मॉनिटरिंग एवं हाई स्पीड एवं हैवी हाउल पर विशेष पाठ्यक्रम	16/04/12	20/04/12
13	12406	रेलवे फार्मेशन एवं जिओ तकनीक जांच पर विशेष पाठ्यक्रम	09/04/12	13/04/12
14	12407	ट्रैक मशीन एवं स्मॉल ट्रैक मशीन उपयोगकर्ताओं के लिए विशेष पाठ्यक्रम	07/05/12	11/05/12
15	12408	टीएमएस पर विशेष पाठ्यक्रम	14/05/12	18/05/12
16	12409	मॉडर्न सर्वेइंग एवं प्रोजेक्ट प्लानिंग पर विशेष पाठ्यक्रम	04/06/12	08/06/12
17	12411	प्वाइंट एवं क्रॉसिंग बिछाना, एमएस रेल का उपयोग कर यार्ड की प्लानिंग एवं रेल की डिजाइन पर विशेष पाठ्यक्रम	04/06/12	08/06/12
18	12412	ठेके एवं विवाचन पर वरिष्ठ वेतनमान/ कनि.प्रशा. श्रेणी/चयन श्रेणी अधिकारियों के लिए पाठ्यक्रम	11/06/12	15/06/12

8. इरिसेन संकाय का प्रशिक्षण/सेमिनार

i दिनांक 16.01.2012 से 20.01.2012 तक सचिवालय प्रशिक्षण एवं प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली में पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण हेतु श्री एन.के.खरे, सह प्राध्यापक उपस्थित हुए।

ii दिनांक 17.02.2012 से दि.18.02.2012 तक यशदा में आयोजित सेमिनार हेतु श्री एस.के.अग्रवाल, प्राध्यापक पुल एवं श्री एन.के.खरे,सह प्राध्यापक उपस्थित हुए।

iii दिनांक 18.02.2012 को भारतीय वेल्डिंग संस्थान द्वारा आयोजित सेमिनार में श्री नरेश लालवानी, वरिष्ठ. प्राध्यापक/पुल उपस्थित हुए।

iv दिनांक 23.02.2012 को श्री एन.सी.शारदा, संकाय अध्यक्ष एवं श्री एस.के.गर्ग, वरिष्ठ प्राध्यापक/कार्य ने रेल म्युजियम, पुणे का दौरा किया।

9. समेकित पाठ्यक्रम में उत्कृष्ट अधिकारी

समेकित पाठ्यक्रम सं. 11108 का परिणाम

प्रथम : श्रीमती एन्थोनी विजया सेंटर जीन,
सहायक कार्यकारी इंजीनियर (पुल), चेन्नई दक्षिण रेल

द्वितीय : श्री गोपालकृष्णन एम.जे.वी.,
सहायक इंजीनियर, मडगांव, कोंकण रेल

समेकित पाठ्यक्रम सं. 11110 का परिणाम

प्रथम : श्री डी.लिंगा रेड्डी,
सहायक मंडल इंजीनियर, रामागुंडम, दक्षिण मध्य रेल

द्वितीय : श्री, विपुल माथुर,
सहायक मंडल इंजीनियर, गोंडा, पूर्वोत्तर रेल.

10. सृजन (प्रकृति और ज्ञान)

यह नितांत सत्य है कि जीवन में ज्ञान और प्रेरणा कहीं भी कभी भी हासिल की जा सकती है। नदियों के कल-कल करते संगीत, झूमते-गाते पेड़, ऊंचे-ऊंचे स्थिर पर्वत, ऊंचाइयों पर उड़ान भरते पक्षी या हमारे आस-पास मौजूद जीव भी हमें जीने का अंदाज सिखाते हैं।

बिना किसी डर या रुकावट के आसमान की उंचाइयों को छूनेवाला बाज हमें हौसला रखने की सीख देता है। राह में आनेवाली अड़चनों को नए अनुभव का आधार मानते हुए मुकाम तक पहुंचना ही उसका लक्ष्य रहता है। बाज हमें सिखाता है कि रुकावटें कितनी भी क्यों न हों, मुकाबला उससे भी ताकतवर होना चाहिए।

गिरगिट की तरह रंग बदलना, सही व्यक्तित्व का प्रतीक नहीं माना जाता। परंतु यही गिरगिट प्रकृति का मित्र होता है जो सैंकड़ों भिन्न-भिन्न प्रकार के कीड़ों का भक्षण कर पौधों की रक्षा करता है। सतह कैसी भी हो वह अपना संतुलन बनाए रखता है। ऐसा कहा जाता है कि वह भूख से अधिक कभी नहीं खाता। ऐसा कहें कि वह हमें संतोष से रहने का ज्ञान देता है।

पपीहा एवं राजहंस में आत्मसम्मान से जीने की भावना कूट-कूट कर भरी होती है। पपीहे को यदि नदी या समुद्र में छोड़ दिया जाए तो भी वह अपनी चोंच पानी के ऊपर ही रखता है, केवल स्वाति नक्षत्र की बूंदे ही उसकी प्यास बुझाती हैं। वहीं राजहंस भी केवल मोती चुगता है। भले ही उसे भूखा रहना पड़े परंतु वह परिस्थितियों से समझौता नहीं करता। आत्म सम्मान नैतिक साहस का प्रतीक होता है।

चीटियां, मधुमक्खियां, मकड़ियां आदि अनेकों जीव-जंतु अपने कर्मों द्वारा सदा हमारे लिए प्रेरणादायी होते हैं। यदि जीवन में सफलता के स्वर्णिम सोपान पर चढ़ना है तो जीवन में प्रकृति की कलात्मकता के नजरिए को देखने की प्रवृति हमें विकसित करना होगा और उनसे भी ज्ञान एवं प्रेरणा लेनी होगी।

इति ..... अरुणाभा ठाकुर, राजभाषा अधीक्षक

कष्ट और विपत्ति मनुष्य को शिक्षा देनेवाले श्रेष्ठ गुण हैं। जो मनुष्य साहस के साथ उन्हें सहन करते हैं, वे अपने जीवन में विजयी होते हैं।

– लोकमान्य बालगंगाधर तिलक

नीलमणि, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेलपथ, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे-1 द्वारा सीमित केवल निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित

Design at Kalyani Corporation, Pune-30. Tel. 24486080